इस अनुवाद में होते हैं 4 पृष्ट / 9 शीट
प्रमाण पत्र का अंक: पप - 155/2026
तिथि: 28 अगस्त, 2026

यह एक प्रमाणित अनुवाद है क्रोआती भाषा से अदालत के निर्णय का

STALNI SUDSKI TUMAČ ZA HINDSKI JEZIK
हिंदी भाषा के लिए न्यायालय में शपथ लेने वाला अनुवादक
Marijana Janjić
Podolje 22a, Zagreb

दस्तावेज संख्या: Kov-234/2026-13

क्रोएशिया गणराज्य
ज़लातार में स्थित नगरपालिका न्यायालय
ज़लातार, तरग स्लोबोदे 14ए

क्रोएशिया गणराज्य

निर्णय

ज़लाटर में स्थित नगरपालिका न्यायालय में, इस न्यायालय के पैनल के द्वारा, जिसमें लिविया श्राइबेक पैनल की अध्यक्ष थे, यादरानका किश शाउलोवेचकी और दामिर चीज़मेक, पैनल के सदस्य थे, और निकोलिना ब्लागेट्स रिकॉर्डर की रूप में, पक्षों की अनुपस्थिति में 18 अगस्त 2026 को सत्र रखा गया था। यह सत्र आरोपी गुरप्रीत सिंह के विरुद्ध आपराधिक कानून के अनुच्छेद 278, पैराग्राफ 1 और 3 के तहत दर्ज आपराधिक मामले में आयोजित किया गया था (आधिकारिक राजपत्र, संख्या: 125/11, 144/12, 56/15, 61/15, 101/17, 118/18, 126/19, 84/21, 114/22, 114/23, 36/24 - पाठ में आगे: आ.क./11)। आरोपी व्यक्ति के विरुद्ध अभियोग दायर होने के बाद (ज़लातार में स्थित नगरपालिका राज्य वकील के कार्यालय के द्वारा, दस्तावेज़ संख्या KO-DO-252/2026, दिनांक 10 अगस्त 2026) न्यायालय ने उसी सत्र के दौरान यह

निर्णय किया

I. आपराधिक प्रक्रिया कानून के अनुच्छेद 98, पैराग्राफ 6 और अनुच्छेद 98, पैराग्राफ 1 और 2, बिंदु 3 और 7 के आधार पर जो अनुच्छेद 123, पैराग्राफ 1, बिंदु 1 के संबंध में है (आधिकारिक राजपत्र, संख्या: 152/08, 76/09, 80/11, 121/11, 91/12, 143/12, 56/13, 152/14, 70/17, 126/19, 130/20, 80/22, 36/24 - पाठ में आगे: आ.प्र.क./08)

निम्नलिखित एहतियाती उपाय बढ़ाए गए हैं

आरोपी गुरप्रीत सिंह के विरुद्ध, OIB: 45949139513, जो सुखविंदर सिंह और कश्मीर कौर के बैठे हैं, जिसका जन्म 10 मई 1994 में था भारत में, उसका अस्थायी निवास ज़ाग्रेब में, करवारीच 10 के पते पर है, और डाक मिलने का पता कुकोलयीना 10, जागरेब, जो भारतीय नागरिक है।

बढ़ाए गए उपाय:

1. ज़ाग्रेब के द्वितीय पुलिस स्टेशन में हर शुक्रवार को अनिवार्य रिपोर्ट करना,

2. अस्थायी तरीके से पासपोर्ट ज़ब्त करना - भारत गणराय का पासपोर्ट, सीरियल नंबर C2414587, जो जागरेब में दिनांक 11 नॉवमबर 2024 को जारी किया गया था और जो 10 नवम्बर 2034 तक वैध है।

III. आ.प्र.क./08 के अनुच्छेद 98 (6) के तहत, ये एहतियाती उपाय ज़रूरत के अनुसार तब तक लागू रहेंगे, और अधिक से अधिक तब तक जब तक कि अदालत का फैसला पूरी तरह लागू न हो जाए।

IV. इन उपायों को लागू करने की जिम्मेदारी ज़ाग्रेब के द्वितीय पुलिस स्टेशन के अधिकारियों की होगी (एहतियाती उपाय नियमों के अनुच्छेद 13 और आपराधिक प्रक्रिया कानून के अनुच्छेद 100, पैराग्राफ 2 के अनुसार)। पुलिस हर 15 दिन में (आपराधिक प्रक्रिया कानून के अनुच्छेद 101, पैराग्राफ 1 के अनुसार) इस न्यायालय में केस नंबर **Kov-234/2026** के तहत एक लिखित रिपोर्ट जमा करेगी, ताकि अदालत यह देख सके कि आरोपी आपराधिक प्रक्रिया कानून के अनुच्छेद 98 (पैराग्राफ 1 और 2, बिंदु 3 और 7) में दिए गए नियमों का पालन कर रहा है या नहीं।

VI. उपरोक्त एहतियाती उपायों के नियम के अनुच्छेद 12, पैराग्राफ 3 के तहत, आरोपी व्यक्ति के क्षेत्र का स्थानीय पुलिस स्टेशन उसे इन एहतियाती उपायों का पालन करने का एक उचित प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) जारी करेगा।

V. अगर आरोपी तय किये गए एहतियाती उपायों का पालन नहीं करता है, तो उस उपाय की जगह उसे मामले पूरी होने तक हिरासत यानी जेल में रख दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण

1. ज़लातार में स्थित नगरपालिका राज्य वकील के कार्यालय ने आरोपी व्यक्ति गुरप्रीत सिंह के विरुद्ध आरोप पत्र (अभियोग संख्या KO-DO-252/2026, दिनांक 10 अगस्त 2026 को) दायर किया है आ.क./11 के अनुच्छेद 278, पैराग्राफ 1 और 3 के एक आपराधिक अपराध के कारण।

2. जागरेब में स्थित काउंटी न्यायालय के निर्णय द्वारा (दस्तावेज़ संख्या Kir-2211/2026, दिनांक 17 जुलाई 2026) आरोपी व्यक्ति को एहतियाती उपाय दिए गए थे जो उस निर्णय में स्पष्ट लिखे हैं।

3. आ.प्र.क./08 के अनुच्छेद 129, पैराग्राफ 2 के अनुसार पैनल का सत्र पक्षों की अनुपस्थिति में रखा गया था।

4. पैनल ने आकलन किया कि क्या अभी भी एहतियाती उपायों की ज़रूरत है। पैनल इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि निम्नलिखित कारणों से एहतियाती उपायों को बढ़ाना सही था: आरोपी व्यक्ति की तरफ से अभी भी कुछ विशेष परिस्थितियां बानी हुई हैं जिनके आधार पर उसे आ.प्र.क./08 के अनुच्छेद 123, पैराग्राफ 1 में बताए गए आधार पर पूर्व-परीक्षण हिरासत में रखने का आदेश दिया जा सकता है - अर्थात अभी भी इस बात का उच्चित संदेह है कि आरोपी ने उस दस्तावेज़ की जालसाजी का अपराध किया है जिसका उस पर आरोप है। इस बात का उचित संदेह है कि उसने उपयोग के उद्देश्य से एक जाली दस्तावेज़ प्राप्त किया और उसे असली दस्तावेज़ के रूप में इस्तेमाल किया, जो कि विशेषज्ञ की जाँच और राय–'इवान वुचेतिच फोरेंसिक जांच, अनुसंधान और विशेषज्ञ समीक्षा केंद्र' की रिपोर्ट–से स्पष्ट होता है। विशेषज्ञ ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निम्नलिखित ड्राइविंग लाइसेंस पूर्णतः जाली (नकली) है: भारत गणराज्य (पंजाब) का ड्राइविंग लाइसेंस, क्रम संख्या (सीरियल नंबर) PB 0720190997648, जो गुरप्रीत सिंह के नाम पर जारी दर्शाया गया है। आरोपी ने उक्त जाली दस्तावेज़ का वास्तविक दस्तावेज़ के रूप में उपयोग किया, क्योंकि उसने इस दस्तावेज़ को पुलिस अधिकारियों के समक्ष अपने वैध ड्राइविंग लाइसेंस के रूप में प्रस्तुत किया था।

5. इस बात का उचित संदेह तो है ही कि आरोपी व्यक्ति ने दस्तावेज़ की जालसाजी और झूठी जानकारी को प्रमाणित करने का अपराध किया है, साथ ही यह खतरा भी है कि वह क्रोएशिया गणराज्य से भाग सकता है। अगर वह भाग जाता है, तो वह कानूनी कार्रवाई से बच जाएगा और क्रोएशिया के न्यायिक अधिकारियों (अदालत और पुलिस) की पहुँच से बाहर हो जाएगा। वह एक भारतीय नागरिक है और क्रोएशिया देश से उसका कोई संबंध नहीं है–क्रोएशिया में न तो उसका परिवार है और न ही कोई संपत्ति। इन सब बातों को देखते हुए, उसे मामले पूरी होने तक जेल में रखने की सभी शर्तें पूरी होती हैं (आ.प्र.क./08 के अनुच्छेद 123, पैराग्राफ 1, बिंदु 1 के तहत)।

6. लेकिन, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि आरोपी का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, अगस्त 2026 तक क्रोएशिया गणराज्य में उसका निवास कानूनी रूप से मान्य है, और ज़ाग्रेब में भी उसका अस्थायी निवास है; साथ ही अपराध के कथित समय के बाद वह भारत गया और वापस क्रोएशिया लौट आया, और उसने यह भी कहा है कि वह किसी और नौकरी से अपने परिवार का गुज़ारा करने के लिए क्रोएशिया में ही रहना चाहता है; पैनल का मानना है कि भागने के इस खतरे को हिरासत यानि जेल के बजाय किसी हल्के उपाय, यानी एहतियाती उपायों से भी रोका जा सकता है। इसलिए, आरोपी को दोबारा कोई अपराध करने से रोकने और उस पर सुधारात्मक प्रभाव डालने के लिए, कानूनी नियमों के आधार पर यह निर्णय लिया गया है।

7. एहतियाती उपाय तब तक जारी रह सकते हैं जब तक ज़रूरी हो, और ज़्यादा से ज़्यादा तब तक जब तक फ़ैसला लागू न हो जाए। न्यायालय हर दो महीने में आधिकारिक तौर पर यह देखेगा कि क्या अभी भी एहतियाती उपायों की ज़रूरत है। अगर इनकी ज़रूरत खत्म हो गई है या इन्हें लागू करने के लिए कोई कानूनी शर्तें नहीं हैं, तो दो महीने का समय खत्म होने से पहले ही उपाय हटा लिए जाएँगे।

ज़लातार में, 18 अगस्त 2026

पैनल का अध्यक्ष
लिविया श्राइबेक

(दस्तावेज़ इलेक्ट्रॉनिक रूप से हस्ताक्षरित है:
लिविया श्राइबेक
19.08.2026.
बजे: 10:13:18
ज़लातार में स्थित नगरपालिका न्यायालय)

अपील करने के अधिकार पर निर्देश:
कोई भी पक्ष इस निर्णय के ख़िलाफ़ अपील कर सकती है लिखित सूचना मिलने की तारीख से तीन (3) दिनों के अंदर। अपील इस कदम को लागू करने पर रोक नहीं लगाता है। अपील इस न्यायालय में तीन कॉपी में जमा की जाएगी, और काउंटी न्यायालय इसका निर्णय करेगा।

दस्तावेज़ को निम्नलिखित व्यक्तियों को भेजना:
1. ज़लातार में स्थित नगरपालिका राज्य वकील के कार्यालय को - दस्तावेज़ संख्या KO-DO-252/2026
2. आरोपी व्यक्ति गुरप्रीत सिंह को - अनुवाद के बाद
3. ज़ाग्रेब के द्वितीय पुलिस स्टेशन को - ईमेल द्वारा और डाक द्वारा
4. अदालती अनुवादक मारियाना यानयीच को - ईमेल द्वारा, अनुवाद के लिए

रिकॉर्ड संख्या: **9-3088b-e8d81**
नियंत्रण संख्या: **06245-f1085-69ca1**

यह दस्तावेज़ निम्नलिखित प्रमाणपत्र के साथ इलेक्ट्रॉनिक रूप से डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित है: सीएन=लिविया श्राइबेक, ओ=ज़लातार में स्थित नगरपालिका न्यायालय, सी=क्रोएशिया

आप निम्नलिखित वेब पते पर दस्तावेज़ की प्रामाणिकता की जांच कर सकते हैं:
https://usluge.pravosudje.hr/provjera-vjerodostojnosti-dokumenta/

(क्यूआर कोड) आप उपरोक्त रिकॉर्ड संख्या और दस्तावेज़ नियंत्रण संख्या दर्ज करके दस्तावेज़ की जांच कर सकते हैं।
आप क्यूआर कोड स्कैन करके भी जांच कर सकते हैं। दोनों ही मामलों में, सिस्टम इस दस्तावेज़ की मूल प्रति प्रदर्शित करेगा।
यदि यह दस्तावेज़ डिजिटल रूप में प्रस्तुत मूल दस्तावेज़ के समान है, तो **ज़लातार में स्थित नगरपालिका न्यायालय** की दस्तावेज़ की प्रामाणिकता की पुष्टि की है।

अंक: पप – 155/2026
मैं, मारियाना यानयीच हिंदी भाषा के लिए न्यायालय में शपथ लेने वाला अनुवादक, क्रोएशिया गणराज्य में न्यायिक मामलों के लिए जिम्मेदार मंत्री के निर्णय द्वारा नियुक्त, दस्तावेज़ क्लास: UP/I-710-02/23-01/262, दस्तावेज़ क्रमांक: 514-03-04/01-25-13, 13 फ़रवरी 2025 से, पुष्टि करती हूँ कि उपरोक्त अनुवाद पूरी तरह से मूल क्रोआती भाषा का दस्तावेज़ जैसा होता है।

ज़ागरेब, 28 अगस्त, 2026 / मारियाना यानयीच /

STALNI SUDSKI TUMAČ ZA HINDSKI JEZIK
Marijana Janjić
Podolje 22a, Zagreb

Poslovni broj: Kov-234/2026-13

REPUBLIKA HRVATSKA
OPĆINSKI SUD U ZLATARU
Zlatar, Trg slobode 14A

R E P U B L I K A   H R V A T S K A

R J E Š E N J E

Općinski sud u Zlataru, u vijeću sastavljenom od sutkinje Livije Šrajbek kao predsjednice vijeća, te sudaca Jadranke Kiš Šaulovečki i Damira Čižmeka, kao članova vijeća, uz sudjelovanje Nikoline Blagec, kao zapisničarke, u kaznenom predmetu protiv okrivljenog Gurpreeta Singha, zbog kaznenog djela iz članka 278. stavka 3. u svezi stavka 1. Kaznenog zakona (Narodne novine, broj 125/11, 144/12, 56/15, 61/15, 101/17, 118/18, 126/19, 84/21, 114/22, 114/23 i 36/24 - dalje: KZ/11), povodom optužnice ODO Zlatar, broj KO-DO-252/2026 od 10. kolovoza 2026., u sjednici vijeća održanoj 18. kolovoza 2026., u odsutnosti stranaka,

r i j e š i o   j e

I. Na temelju članka 98. stavka 6. te članka 98. stavak 1. i 2., točka 3. i 7. Zakona o kaznenom postupku (Narodne novine, broj 152/08, 76/09, 80/11, 121/11, 91/12, 143/12, 56/13, 145/13, 152/14, 70/17, 126/19, 126/19, 130/20, 80/22 i 36/24 - dalje: ZKP/08.) u svezi članka 123. stavak 1. točka 1. ZKP/08,

prema okrivljeniku GURPREETU SINGHU, OIB 45949139513, sinu Sukhwinder Singh i Kashmir Singh rođ. Kaur, rođenom 10. svibnja 1994. u Indiji, s privremenim boravištem u Zagrebu, Krvarić 27, te adresom za dostavu pismena u Zagrebu, Kukoljina ulica 9, državljaninu Indije

PRODULJUJU SE MJERE OPREZA

i to:

1. obaveza redovitog javljanja u II. Policijskoj postaji Zagreb svakog petka u mjesecu,

2. privremeno oduzimanje putne i druge isprave za prijelaz državne granice – putna isprava Indije, serijski broj C2414587 koja je izdana u Zagrebu 11. studenoga 2024. i vrijedi do 10. studenoga 2034.

III. Na temelju članka 98. stavka 6. ZKP/08 naložene mjere opreza trajati će dok za to postoji potreba, a najdulje do izvršnosti presude.

IV. Navedenu mjeru izvršavat će sukladno članku 100. stavku 2. Zakona o kaznenom postupku te članku 13. Pravilnika o načínu izvršavanja mjera opreza djelatnici II. Policijske postaje Zagreb i svakih 15 dana, a sukladno članku 101. stavku 1. Zakona o kaznenom postupku dostavit će pisano izvješće ovom sudu na broj spisa **Kov-234/2026** o tome izvršava li okrivljenik mjeru opreza iz članka stavak 1. i 2., točka 3. i 7. Zakona o kaznenom postupku.

VI. Temeljem članka 12 stavak 3 Pravilnika o načinu izvršavanja mjera opreza policija na čijem području boravi okrivljenik će izdati o tome odgovarajuću potvrdu okrivljeniku.

V. U slučaju da se okrivljenik ne bude pridržavao naložene mu mjere opreza, ista će se zamijeniti istražnim zatvorom.

Obrazloženje

1. Općinsko državno odvjetništvo u Zlataru podiglo je optužnicu broj KO-DO-252/2026 od 10. kolovoza 2026. protiv okrivljenika Gurpreeta Singha, zbog kaznenog djela iz članka 278. stavka 3. u svezi stavka 1. KZ/11.

2. Rješenjem Županijskog suda u Zagrebu poslovni broj Kir-2211/2026 od 17. srpnja 2026. određene su mjere opreza naznačene u izreci rješenja.

3. U smislu odredbe članka 129. stavka 2. ZKP/08. sjednica vijeća održana je u odsutnosti stranaka.

4. Ispitujući da li još postoji potreba za mjerama opreza vijeće ocjenjuje da se produljenje mjera opreza smatra opravdanim iz razloga što na strani okrivljenog i nadalje postoje one osobite okolnosti zbog kojih je moguće odrediti istražni zatvor iz zakonske osnove članka 123. stavka 1. ZKP/08., a to je postojanje osnovane sumnje da je okrivljeni počinio inkriminirano mu kazneno djelo krivotvorenja isprave. Osnovana sumnja da je lažnu ispravu nabavio radi uporabe i uporabio je kao pravu, proizlazi iz nalaza i mišljenja vještaka Centra za forenzična ispitivanja, istraživanja i vještačenja "Ivan Vučetić", gdje je vještakinja zaključila da je vozačka dozvola Savezne države Punjab, Republika Indija, serijskog broja PB 0720190997648, izdana na ime Gurpreeta Singh, potpuna krivotvorina. Također, krivotvorenu lažnu ispravu upotrijebio je kao pravu, jer je tu ispravu predočio policijskim službenicima kao svoju važeću vozačku dozvolu.

5. Pored postojanja osnovane sumnje da je okrivljenik počinio kazneno djelo krivotvorenja isprave i ovjeravanja neistinitog sadržaja, postoji i opasnost da bi mogao otići iz Republike Hrvatske kako bi izbjegao kazneni progon, te postati nedostupan tijelima Republike Hrvatske, jer je državljanin Republike Indije, ničime nije vezan za teritorij Republike Hrvatske, nema obitelj ni nekretnine u RH, čime su ispunjeni uvjeti za određivanje istražnog zatvora iz članka 123. stavak 1. točka 1. ZKP/08.

6. Međutim, uvažavajući okolnost da okrivljenik nije evidentiran za počinjenje kaznenih djela, da ima reguliran boravak u Republici Hrvatskoj do kolovoza 2026. godine, kao i prijavljeno boravište u Zagrebu, da je nakon počinjenja djela otišao u Indiju i ponovno se vratio u Republiku Hrvatsku, te je izjavio da želi ostati u Republici Hrvatskoj kako bi privređivao za svoju obitelj nekim drugim poslom, vijeće smatra da se prethodno navedena opasnost može prevenirati i blažom mjerom od mjere istražnog zatvora, odnosno izrečenim mjerama opreza. Dakle, radi preventivnog utjecaja na okrivljenog u svrhu odvraćanja od ponavljanja kaznenog djela, temeljem citiranih zakonskih odredbi, odlučeno je kao u izreci ovog rješenja.

7. Mjere opreza mogu trajati dok za to postoji potreba, a najdulje do izvršnosti presude, time da će sud svaka dva mjeseca ispitati po službenoj dužnosti postoji li još potreba za mjerama opreza. Mjere će se ukinuti i prije proteka roka od dva mjeseca ako je za njima prestala potreba ili ako više nema zakonskih uvjeta za njihovu primjenu.

U Zlataru 18. kolovoza 2026.

PREDSJEDNICA VIJEĆA:
Livija Šrajbek

Dokument je elektronički potpisan:
Livija Šrajbek
Vrijeme potpisivanja:
19-08-2026
10:13:18

DN:
C=HR
O=OPĆINSKI SUD U ZLATARU
2.5.4.97=#0C1156415448522D32363536363836393235
OU=Signature
S=Šrajbek
G=Livija
CN=Livija Šrajbek

UPUTA O PRAVU NA ŽALBU:
Protiv ovog rješenja stranke mogu izjaviti žalbu koja ne zadržava izvršenje mjere, u roku od tri (3) dana od dana primitka pisanog otpravka. Žalba se podnosi ovome sudu u tri istovjetna primjerka, a o njoj odlučuje Županijski sud.

DNA:
1. ODO Zlatar na broj KO-DO-252/2026
2. Okrivljenik Singh Gurpreet – po prijevodu
3. II. Policijska postaja Zagreb – e-mailom i poštom
4. Sudski tumač Marijana Janjić – e-mailom, na prijevod

Broj zapisa: **9-3088b-e8d81**

Kontrolni broj: **06245-f1085-69ca1**

Ovaj dokument je u digitalnom obliku elektronički potpisan sljedećim certifikatom:
CN=Livija Šrajbek, O=OPĆINSKI SUD U ZLATARU, C=HR

Vjerodostojnost dokumenta možete provjeriti na sljedećoj web adresi:
https://e-komunikacija.pravosudje.hr/provjera-vjerodostojnosti

unosom gore navedenog broja zapisa i kontrolnog broja dokumenta.

Provjeru možete napraviti i skeniranjem QR koda. Sustav će u oba slučaja prikazati izvornik ovog dokumenta.

Ukoliko je ovaj dokument identičan prikazanom izvorniku u digitalnom obliku, **Općinski sud u Zlataru** potvrđuje vjerodostojnost dokumenta.

STALNI SUDSKI TUMAČ ZA HINDSKI JEZIK
हिंदी भाषा के लिए न्यायालय में शपथ लेने वाला अनुवादक
Marijana Janjić
Podolje 22a, Zagreb

STALNI SUDSKI TUMAČ ZA HINDSKI JEZIK
हिंदी भाषा के लिए न्यायालय में शपथ लेने वाला अनुवादक
Marijana Janjić
Podolje 22a, Zagreb